ऐब लिंकन
वो लड़का जिसे
किताबों से प्यार था
कैट विंटर्स

लेखक का नोट

अब्राहम लिंकन का जन्म 1809 में मोंटी और थॉमस लिंकन के यहाँ हुआ. उनकी औपचारिक शिक्षा एक वर्ष से भी कम समय तक हुई. लिंकन को उनकी मां ने पढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया. लेकिन जब वो नौ साल का था, तो मोंटी की "मिल्क-सिकनेस" नामक बीमारी से मृत्यु हो गई. यह बीमारी उन गायों का दूध पीने से होती है जिन्होंने जहरीली सफेद सांप-जड़ खाई होती है. एक साल बाद थॉमस, ऐब और उसकी बहन सारा के लिए सौतेली माँ लाए. ऐब खुश हुआ क्योंकि उसकी नई माँ किताबों के साथ आई थीं! जब वो युवा वयस्क हुआ, तो उसने शब्दों की शक्ति को पहचाना. उसने भाषण, वाद-विवाद लिखने में घंटों बिताए और अपनी प्रस्तुतियों का अभ्यास किया.

1842 में ऐब ने मैरी टॉड से शादी की, और उनके चार लड़के हुए. रॉबर्ट, एडी, विली और टैड. एडी और विली की बचपन में ही मृत्यु हो गई, जिससे लिंकन दंपत्ति बहुत दुखी हुए.

1847 में ऐब ने कांग्रेस में अपना दो साल का कार्यकाल शुरू किया. फिर उन्होंने राजनीति छोड़ दी और अपने कानूनी करियर पर ध्यान दिया. लेकिन देश बंटा हुआ था और गुलामी का मुद्दा गरमा रहा था. इसलिए लिंकन चुप नहीं रह सके. वो सेनेट के लिए खड़े हुए और दो बार हारे, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी. उनके शब्दों को उद्धृत किया गया, उनके विचारों पर बहस हुई, वे राष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध हुए.

1860 में उन्हें यूनाइटेड स्टेट्स का सोलहवां राष्ट्रपति चुना गया. उन्होंने हमारे इतिहास के एक अराजक समय - गृहयुद्ध के दौरान, देश की सेवा की. इन काले दिनों में उन्होंने संघ को बचाने के संघर्ष का नेतृत्व किया. 1 जनवरी, 1863 को, उन्होंने मुक्ति उद्घोषणा जारी की जिसमें घोषित किया गया कि कनफेडेरसी के उन क्षेत्रों में जहाँ विद्रोह अभी भी ज़ारी था वहां के गुलाम अब स्वतंत्र थे.

1864 में लिंकन को फिर से राष्ट्रपति चुना गया, लेकिन 14 अप्रैल, 1865 को जॉन विल्क्स बूथ ने उन्हें फोर्ड थिएटर में गोली मार दी. अगले दिन लिंकन की मृत्यु हो गई. युद्ध सचिव एडविन स्टैंटन ने कहा: "अब वो युगों के हैं."

आज लिंकन का चेहरा हमारे सिक्कों पर मुस्कुराता है. लिंकन मेमोरियल पर हज़ारों लोग जाते हैं. उनके शब्द देशभक्ति के अवसरों पर सुनने को मिलते हैं. लिंकन की वजह से आज अमरीका, एक संयुक्त राज्य है जहाँ कोई भी नागरिक किसी दूसरे को गुलाम नहीं बना सकता है. अब्राहम लिंकन का किताबों के प्रति प्रेम, उनके विचार और शब्द हमारे राष्ट्र को स्वतंत्रता की राह पर ले गया. वो यात्रा अभी भी ज़ारी है.
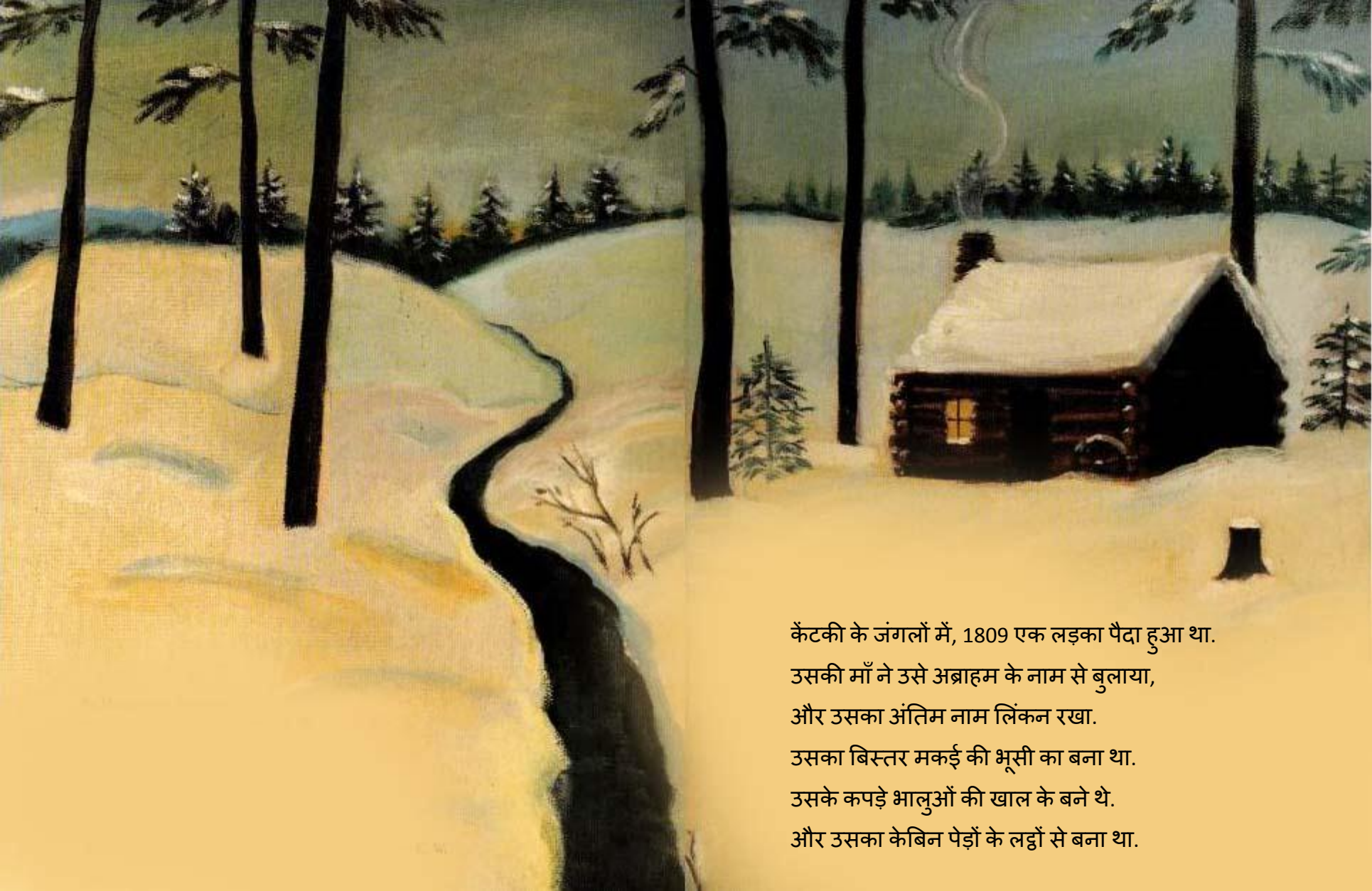
केंटकी के जंगलों में, 1809 एक लड़का पैदा हुआ था.
उसकी माँ ने उसे अब्राहम के नाम से बुलाया,
और उसका अंतिम नाम लिंकन रखा.
उसका बिस्तर मकई की भूसी का बना था.
उसके कपड़े भालुओं की खाल के बने थे.
और उसका केबिन पेड़ों के लट्ठों से बना था.

ऐब ने एक-कमरे वाले केबिन में
अपना पहला शब्द कहा.
कठोर मिट्टी के फर्श पर वो पहला
कदम चला.
घर में लकड़ी की आग ने ठंड को
भगाया और मकई को पकाया.

दरवाजा घूमा
खुला
और बंद हुआ
चमड़े के एक कब्ज़े पर.
एक छोटी खिड़की से उसने
बाहर की दुनिया देखी.
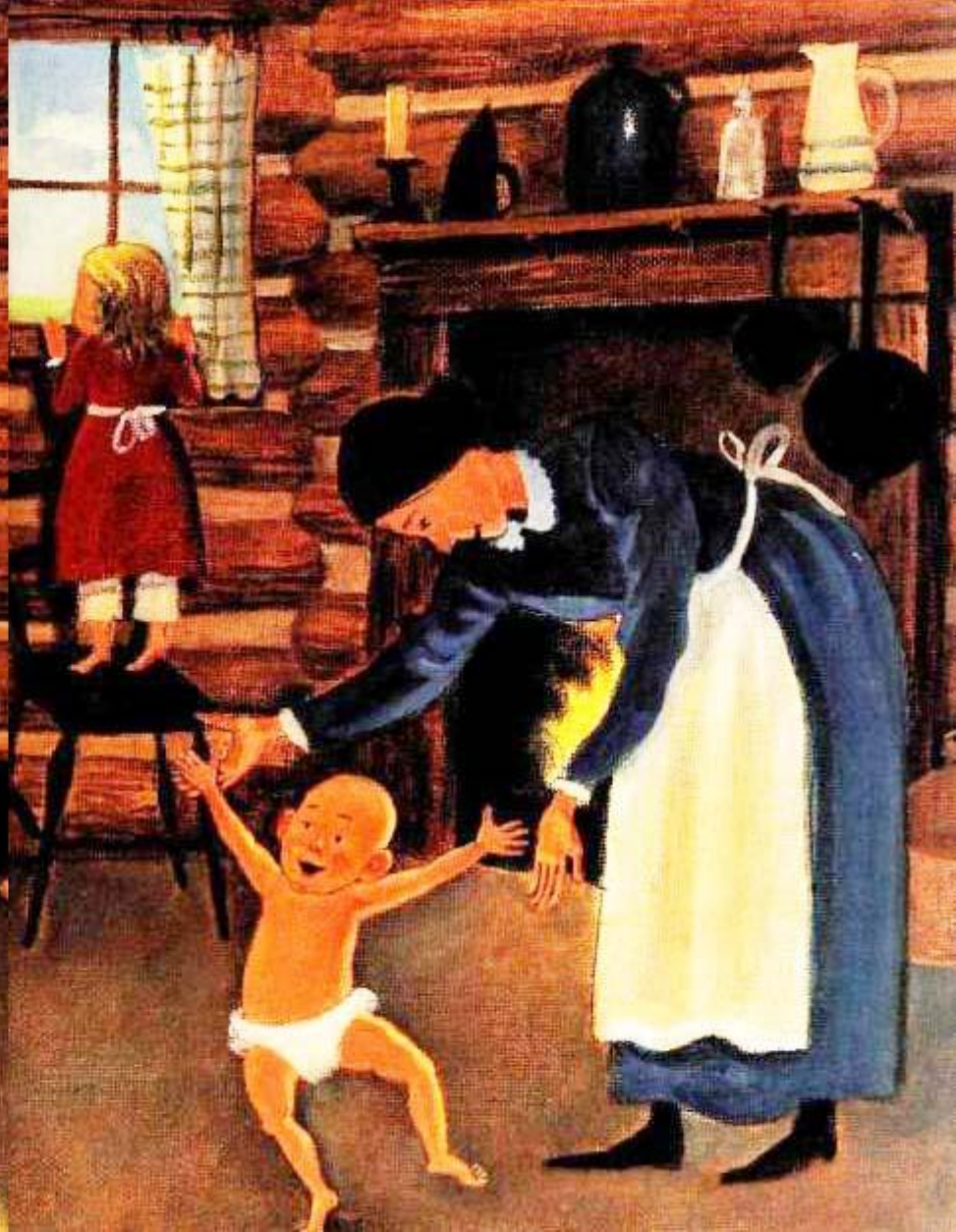
जब वह दो साल का था,
तो उसके परिवार ने अपना
थोड़ा सा सामान पैक किया,
फिर वो ऐब और उसकी बहन
सारा को नॉब-क्रीक ले गए.

कंबरलैंड ट्रेल उनके नए केबिन के करीब से ही गुज़रती थी.
ऐब ने सौदागरों, फेरीवालों, पायनियरों को देखा,
राजनेता, व्यापारी और गुलामों को
उसने रास्ते से गुज़रते हुए देखा.
जैसे-जैसे ऐब बड़ा हुआ,
उसने यात्रियों, राहगीरों से बातचीत की
उसने उनकी कहानियां सुनीं
उसने सुना कि वे कहाँ से आए थे
और वे कहाँ जा रहे थे.
उसने पाया कि उनकी दुनिया
उसकी अपनी दुनिया से कहीं बड़ी थी.
उससे ऐब के विचारों का विस्तार हुआ.
उसके दिमाग में नए सवाल खड़े हुए.
उसने नए-नए सपने देखना शुरू किए.
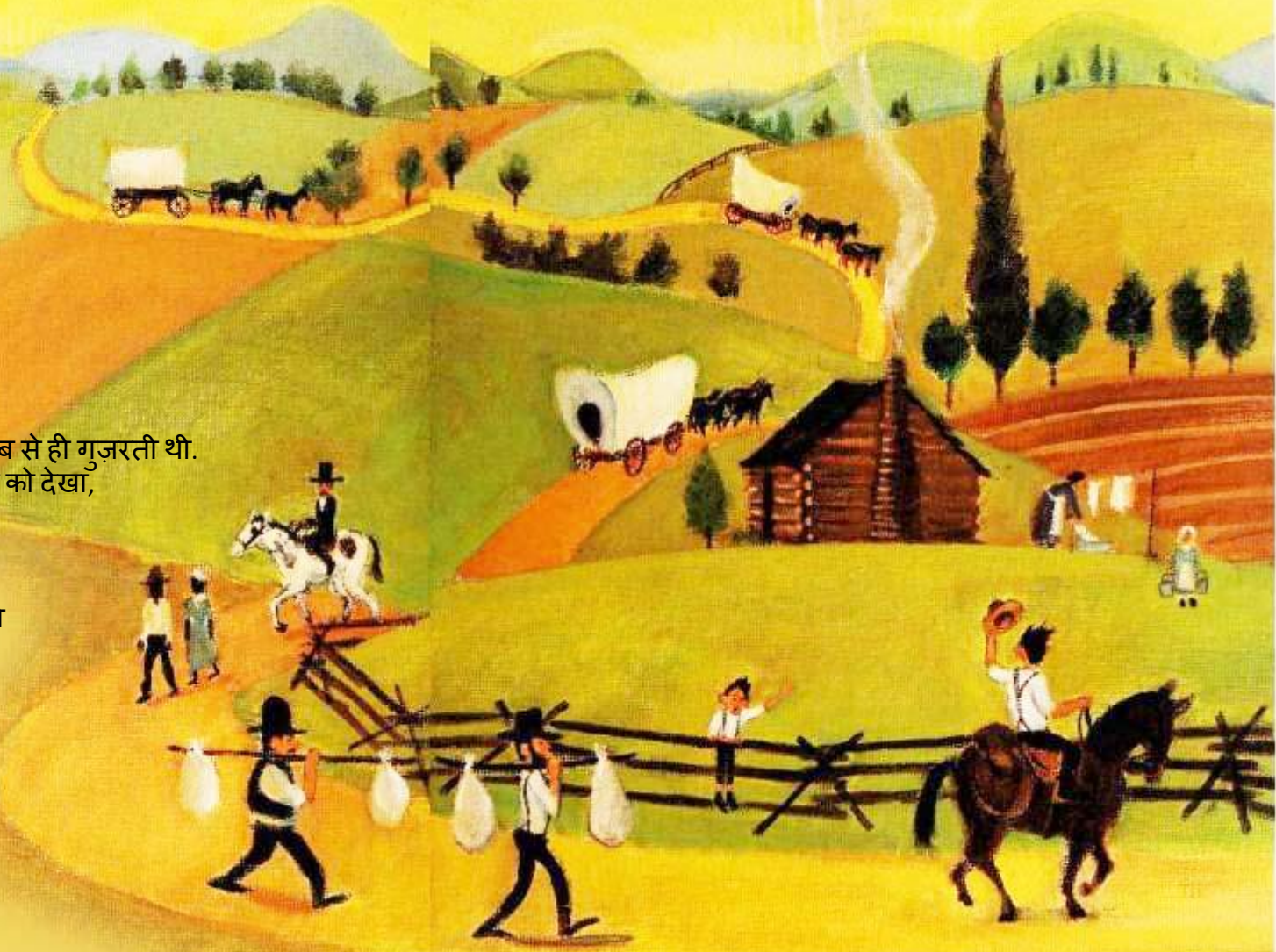
स्कूल में, उसने एक से दस
तक की गिनती सीखी.
उसने A से Z तक के अक्षरों को
लकड़ी के कोयले से लिखा.
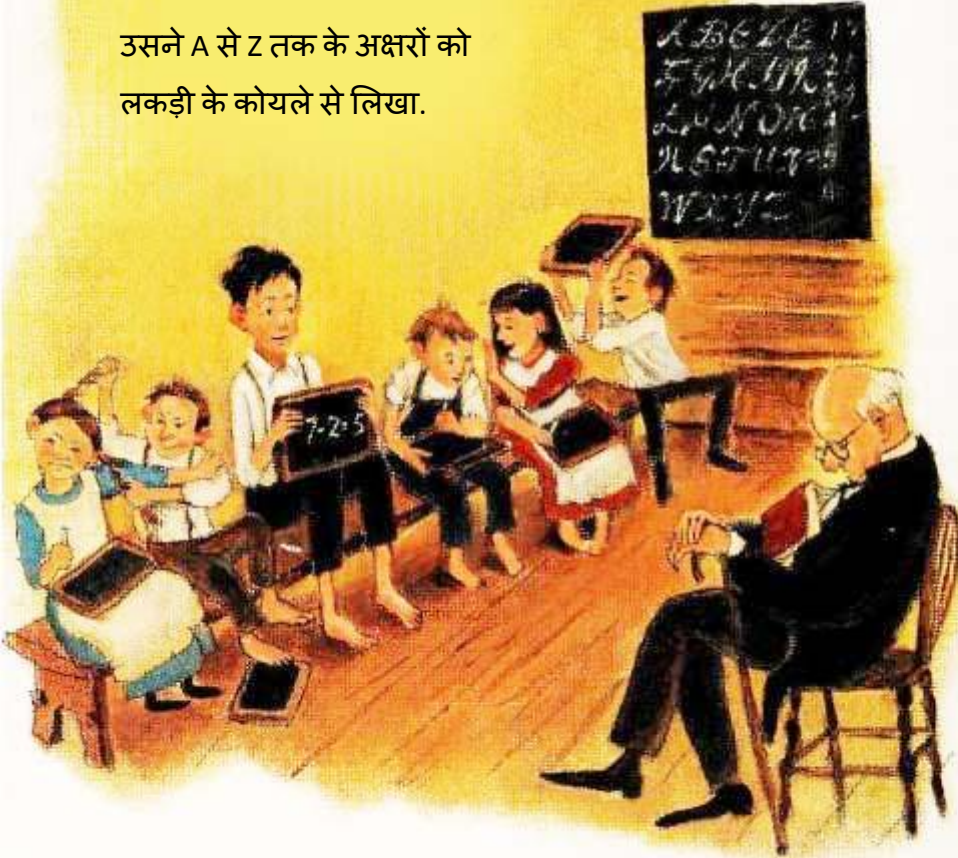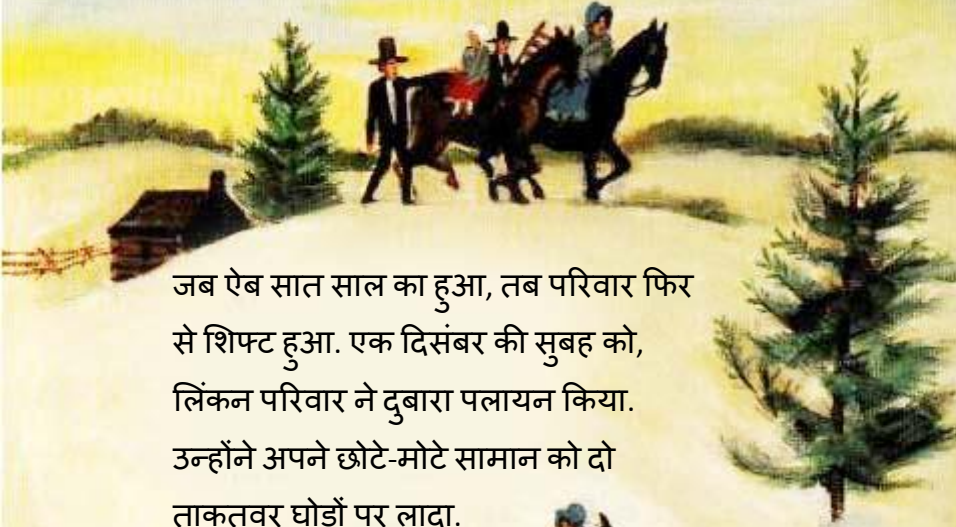
उसने अक्षरों को दिन-रात, बार-बार,
स्कूल में और घर पर लिखा.

उसने अक्षरों को धूल में, बर्फ में
और लकड़ी के लट्ठों पर लिखा.
अक्षर उसके दिमाग में जादू के
मंत्र जैसे चिपक गए.
उसकी सीखने में बहुत रूचि थी.

उसके माता पिता
कभी स्कूल नहीं गए थे.
लेकिन जब शाम होती
तो फिर पूरा परिवार आग के पास बैठता था.
तब माँ बाइबल की कहानियां सुनाती थीं
जो उन्हें मुंह ज़ुबानी याद थीं.
तब पिताजी किस्से-कहानियां
और चुटकुले सुनाकर उन्हें हंसाते थे.
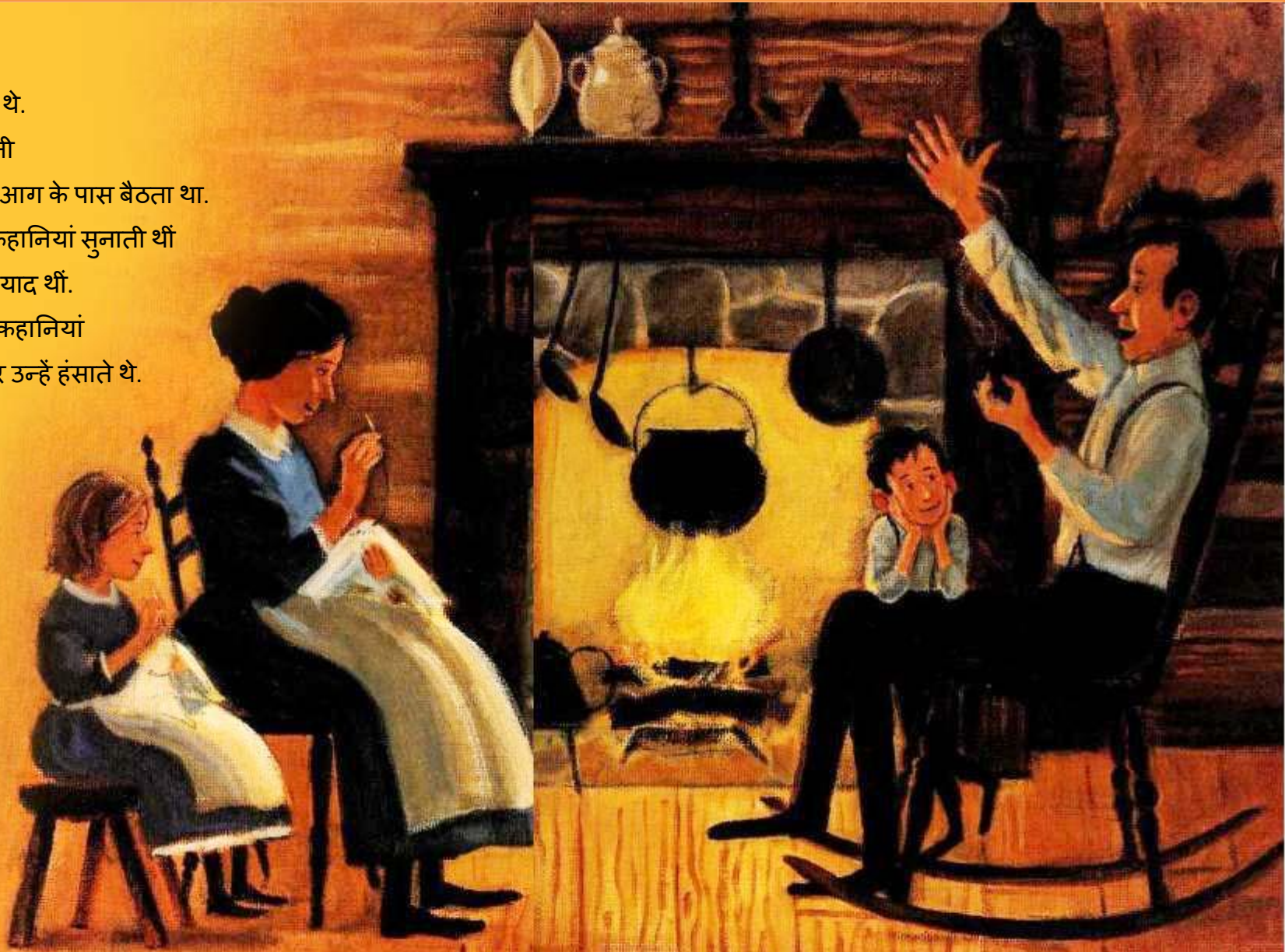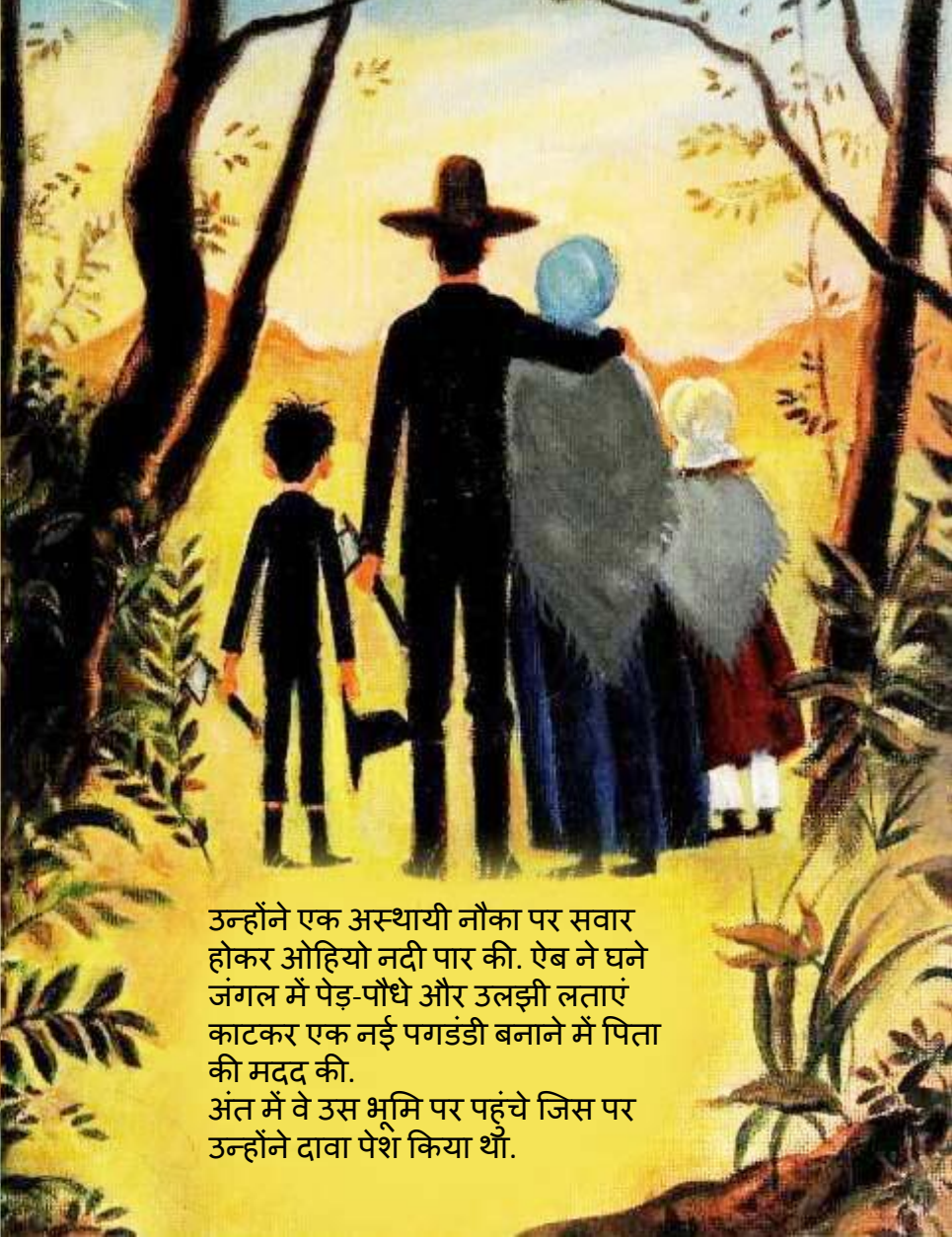
जब ऐब सात साल का हुआ, तब परिवार फिर से शिफ्ट हुआ. एक दिसंबर की सुबह को, लिंकन परिवार ने दुबारा पलायन किया. उन्होंने अपने छोटे-मोटे सामान को दो ताकतवर घोड़ों पर लादा.

उन्होंने चलते हुए सौ मील की दूरी तय की और इंडियाना पहुंचे.

उन्होंने एक अस्थायी नौका पर सवार होकर ओहियो नदी पार की. ऐब ने घने जंगल में पेड़-पौधे और उलझी लताएं काटकर एक नई पगडंडी बनाने में पिता की मदद की.

अंत में वे उस भूमि पर पहुंचे जिस पर उन्होंने दावा पेश किया था.

लिटिल-पिजन क्रीक पर कोई केबिन उनका इंतजार नहीं कर रहा था. उन्होंने अपने रहने के लिए शाखाओं, टहनियों और लट्ठों का एक तम्बू बनाया. उनकी ज़मीन के एक तरफ चौड़ा खुला जंगल था.

परिवार हमेशा लकड़ी का ढेर तैयार रखता था. वो लगातार आग जलाते थे जिससे जंगल में घूम रहे जंगली जानवर डर जाएं.

वहां भालू गुर्राते थे,
भेड़िये चिल्लाते थे,
पैंथर्स चीखते थे,
जिससे ऐब कांप उठाता था.
अंधेरा वाकई में एक डरावना समय था.
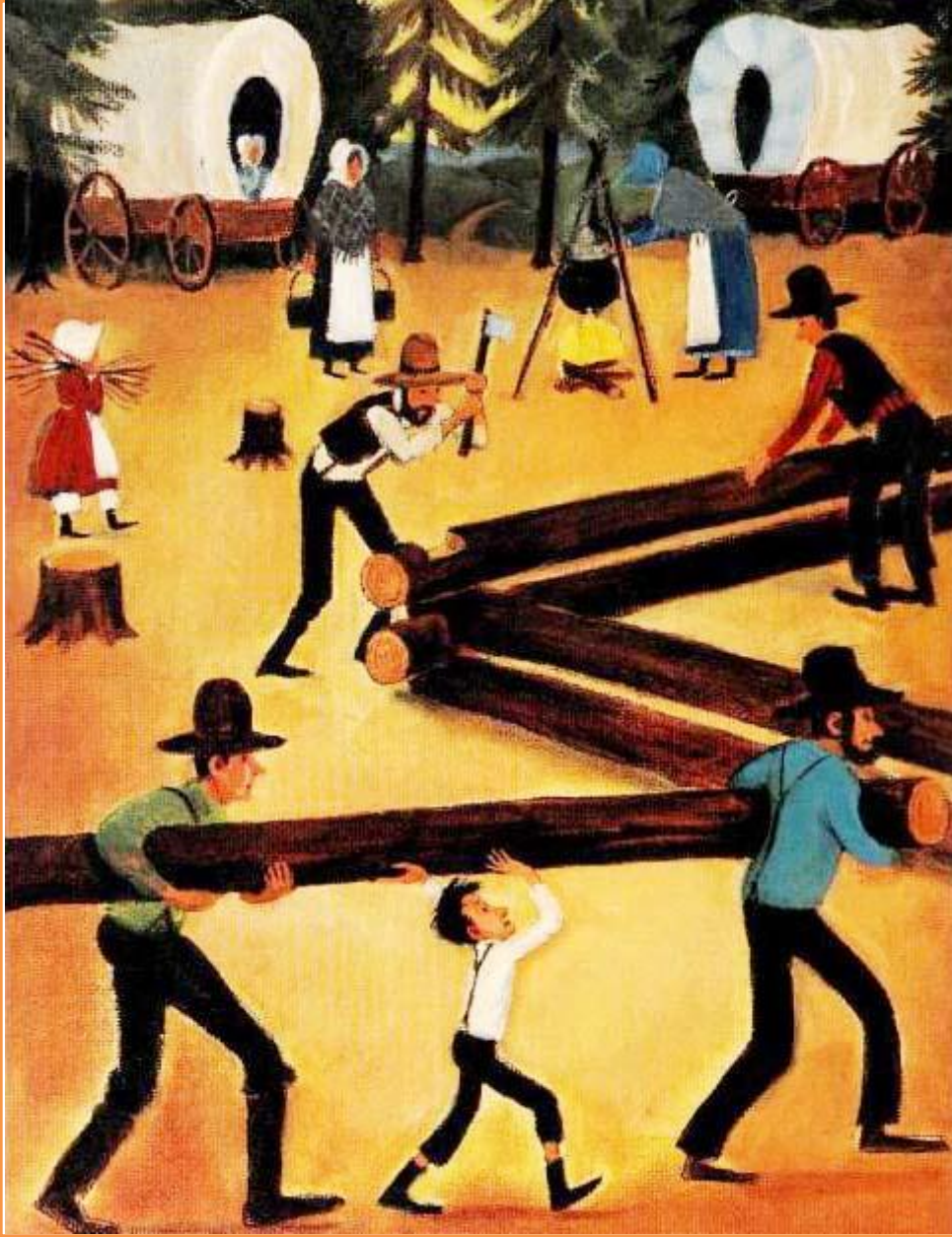
फिर वहां पर बसे हुए "सेटलर्स" आए
और उन्होंने लिंकन परिवार की
घर बनाने में मदद की.
अब ऐब और सारा के पास घर में
खुद की एक मचान थी.
ऐब को अपने सोने की जगह पर चढ़ना
पसंद था लेकिन बर्फ और तेज़ हवा केबिन की
दरारों में से घुसकर उसे बहुत सताती थी.
बाहर की स्नो केबिन के अंदर आकर
दीवारों पर बर्फ जम जाती थी.

सिर्फ एक बार

ऐब ने जंगल में एक टर्की (पक्षी) को गोली मारी.
उसके बाद उसने फिर कभी शिकार नहीं किया.
उसने कसम खाई कि वो फिर कभी किसी
जीवित चीज को नहीं मारेगा.
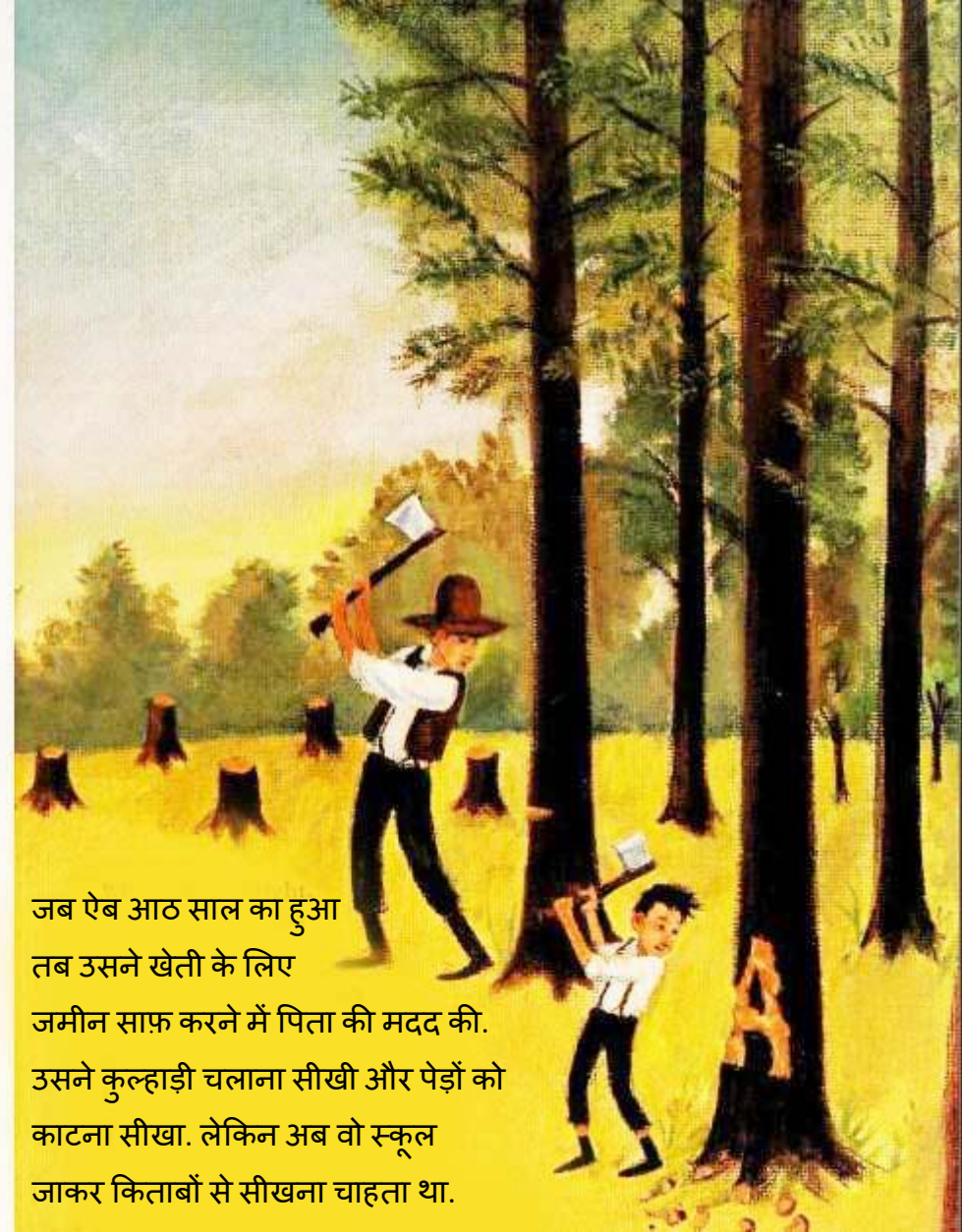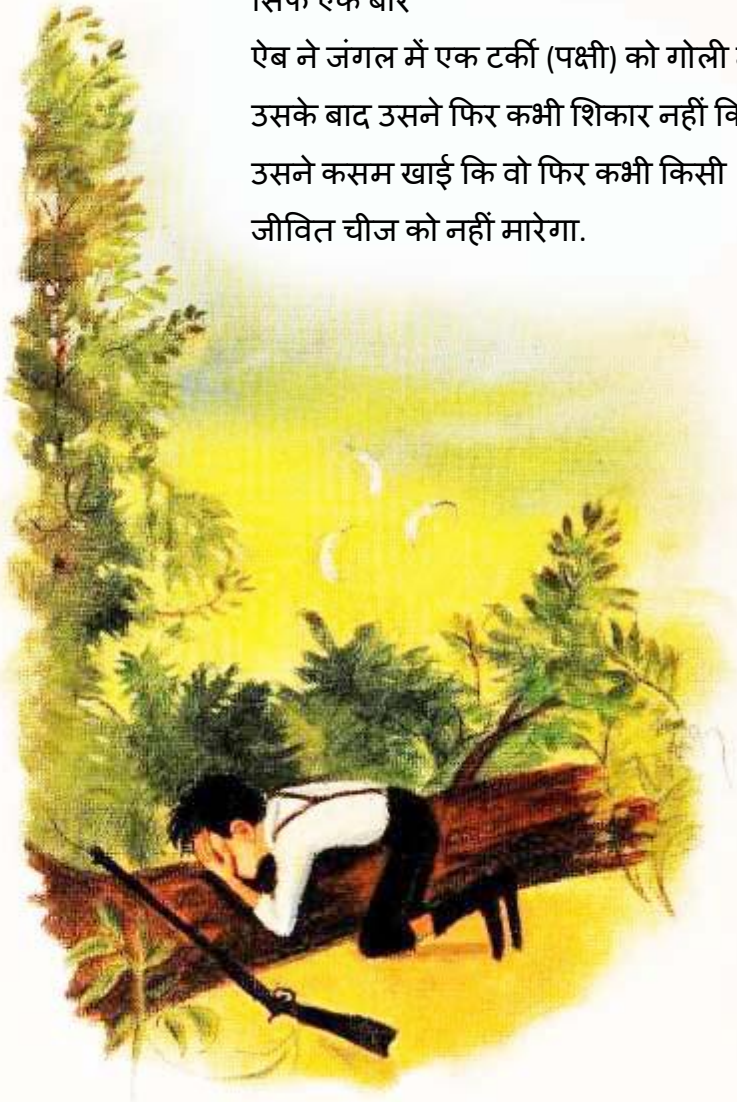
जब ऐब आठ साल का हुआ
तब उसने खेती के लिए
जमीन साफ़ करने में पिता की मदद की.
उसने कुल्हाड़ी चलाना सीखी और पेड़ों को
काटना सीखा. लेकिन अब वो स्कूल
जाकर किताबों से सीखना चाहता था.

जब ऐब नौ वर्ष का हुआ, तो उसकी ज़िंदगी अंधकार में डूब गई. "मिल्क सिकनेस" नाम की बीमारी से उसकी माँ की मृत्यु हो गई. ऐब ने माँ के ताबूत के लिए खूंटे काटे. लेकिन उसका दुख इतना गहरा था कि वो अपनी माँ का नाम नहीं बोल पाया.

एक साल कैसे-कैसे करके बीता. फिर उसके पिता नई पत्नी की तलाश में गए. वो तीन बच्चों वाली एक विधवा को अपने साथ लाए. ऐब की नई माँ बड़ी दरिया दिल थीं. उन्होंने ऐब और सारा को अपने बच्चों जैसे ही पाला.
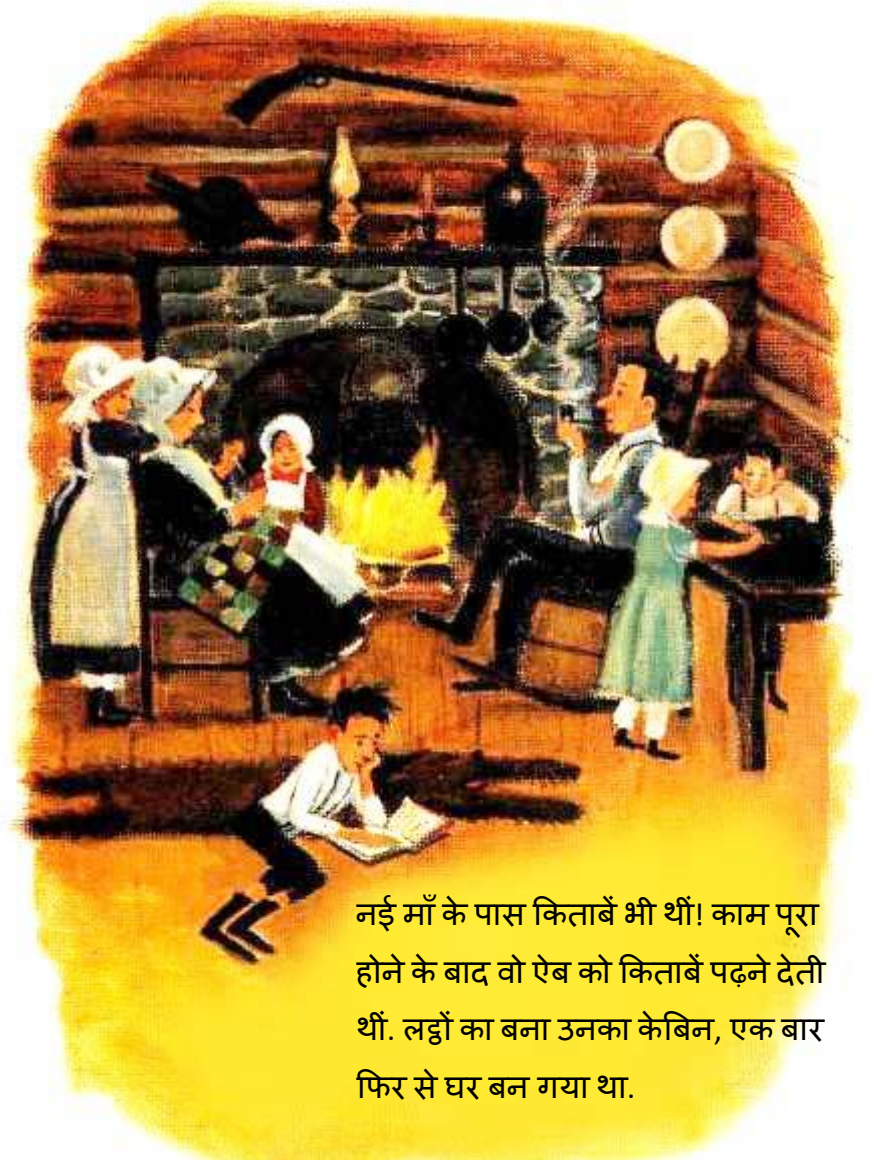
नई माँ के पास किताबें भी थीं! काम पूरा होने के बाद वो ऐब को किताबें पढ़ने देती थीं. लट्ठों का बना उनका केबिन, एक बार फिर से घर बन गया था.

माँ ने बच्चों को वापस स्कूल भेजा.

ऐब ने एक छोटी खाल और रैकून की टोपी पहनी.

उसने अपने पहले अक्षर एक पक्षी के पंख की नोक से लिखे.

"अब्राहम लिंकन के हाथ में थी

पंख से बनी कलम

वो कितना अच्छा बनेगा

पता नहीं सनम."

ऐब ने लकड़ी के तख्तों पर जोड़-घटाना करना सीखा.

लेकिन सबसे ज्यादा उसे पढ़ना, स्पेलिंग-बी जीतना,

मनगढंत कहानियां बनाना और किस्से सुनाना पसंद था.

जब स्कूल बंद होता, तब ऐब अन्य
किसानों के खेतों में काम करता था.
पिता ऐब की कमाई को परिवार के लिए
इस्तेमाल करते थे.
ऐब कुएं खोदता और पेड़ काटता था.
लेकिन काम करते समय भी वो
सीखने को तरसता था.
जो कोई भी उसकी बात सुनता
ऐब उससे कहता, "जो चीजें मैं जानना
चाहता हूं वे सभी किताबों में हैं."

एक बार बारिश केबिन की छत से
लीक हुई और उसने वो किताब
भिगो दी जिसे ऐब अपने दोस्त से
उधार लाया था. उसके बाद तपती
धूप में ऐब ने तीन दिनों तक दोस्त
के मकई के खेत में काम करके उस
पुस्तक की कीमत चुकाई.
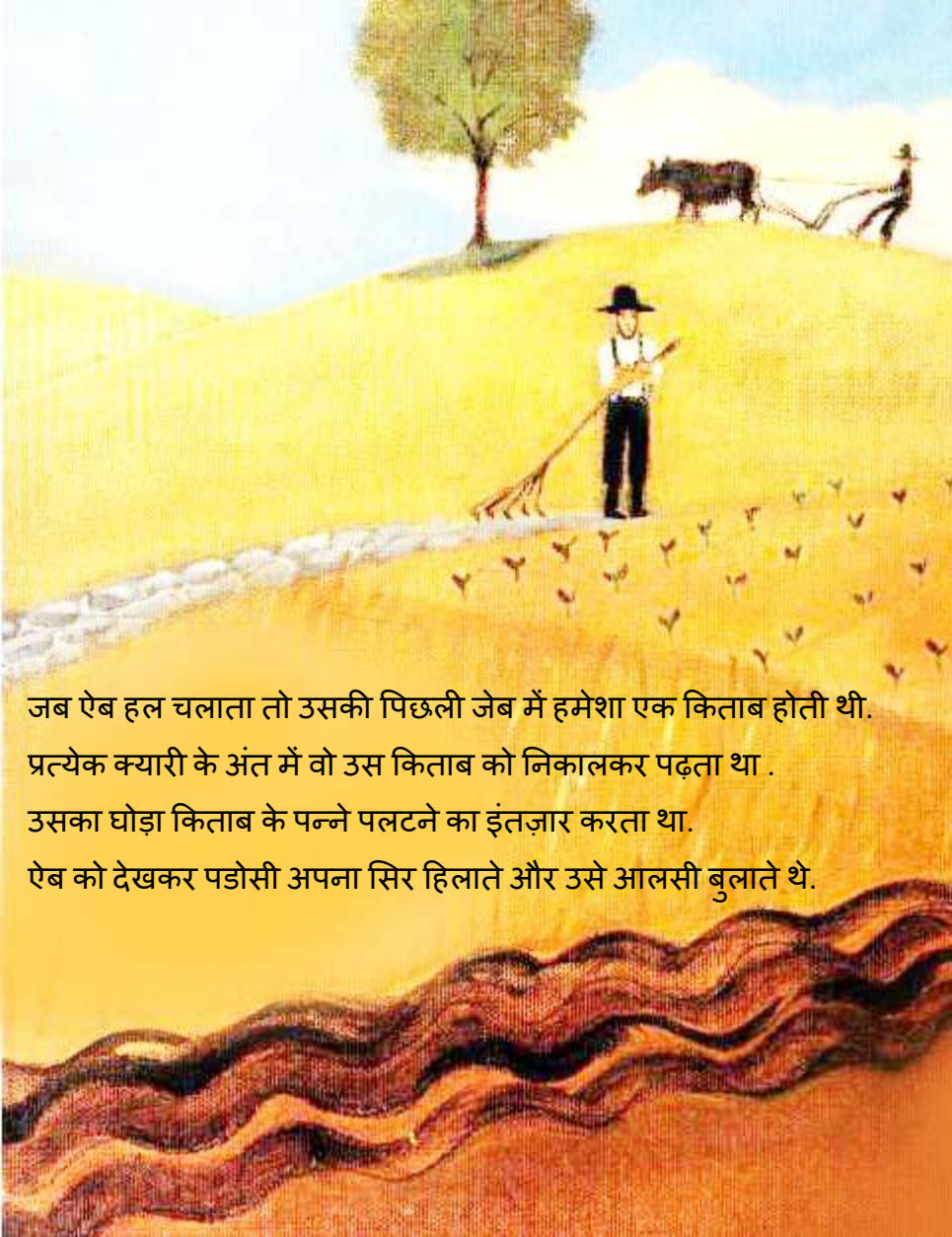
जब ऐब हल चलाता तो उसकी पिछली जेब में हमेशा एक किताब होती थी.
प्रत्येक क्यारी के अंत में वो उस किताब को निकालकर पढ़ता था .
उसका घोड़ा किताब के पन्ने पलटने का इंतज़ार करता था.
ऐब को देखकर पडोसी अपना सिर हिलाते और उसे आलसी बुलाते थे.
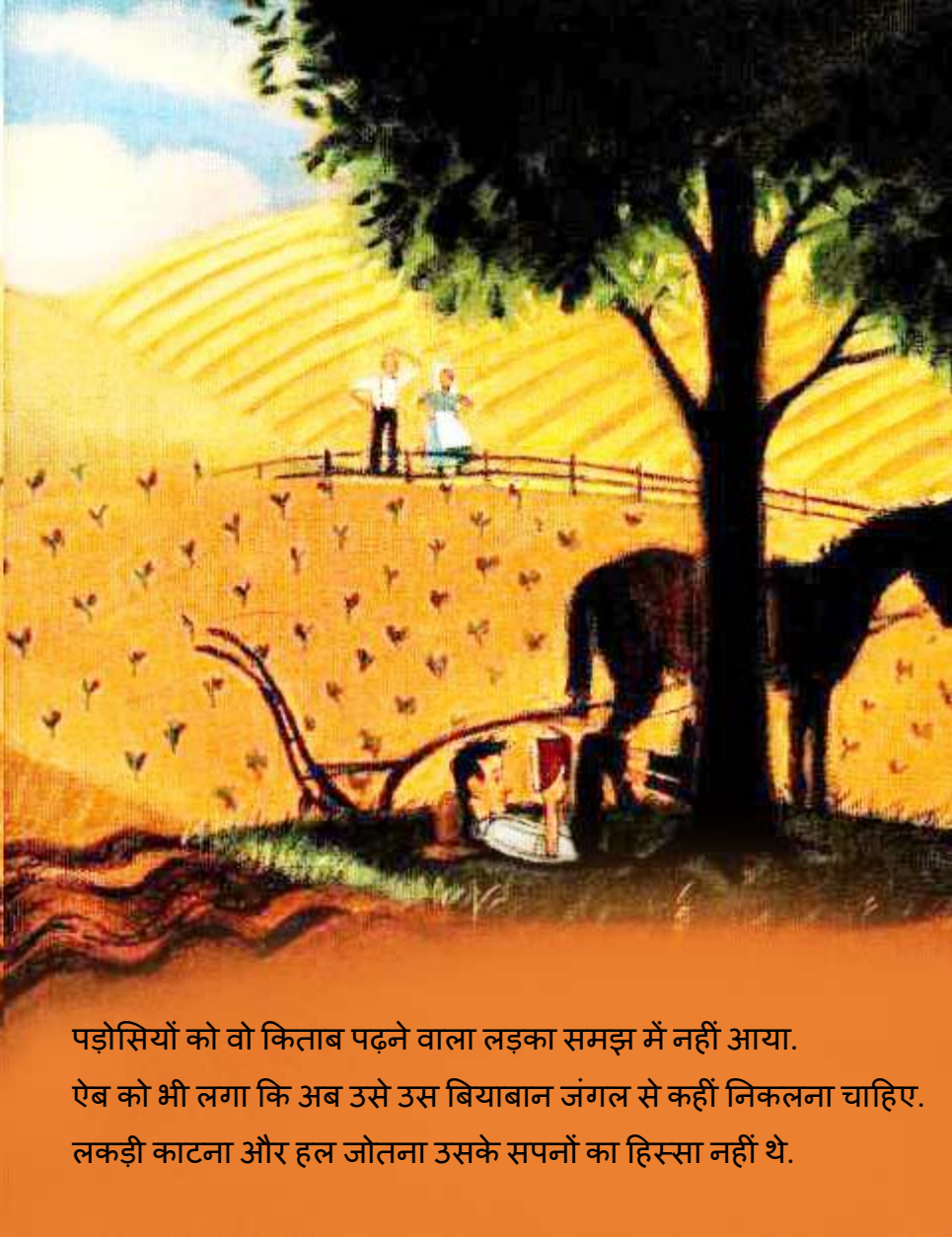
पड़ोसियों को वो किताब पढ़ने वाला लड़का समझ में नहीं आया.
ऐब को भी लगा कि अब उसे उस बियाबान जंगल से कहीं निकलना चाहिए.
लकड़ी काटना और हल जोतना उसके सपनों का हिस्सा नहीं थे.

उन्नीस साल की उम्र में ऐब एक नाव को नदी के नीचे खेकर ले गया. पहली बार उसने जंगल से परे के लोगों और स्थानों को देखा. उसने काले पुरुषों, महिलाओं और उनके बच्चों को जंजीरों में बंधा हुए देखा. उनके सिर के ऊपर एक चिन्ह लिखा था **नीलामी के लिए.**

कुल्हाड़ी, बैल जैसे ही काले लोगों की ज़िंदगी भी बिक्री के लिए थी! ऐब जानता था कि गुलामों का मालिक होना अन्यायपूर्ण था.
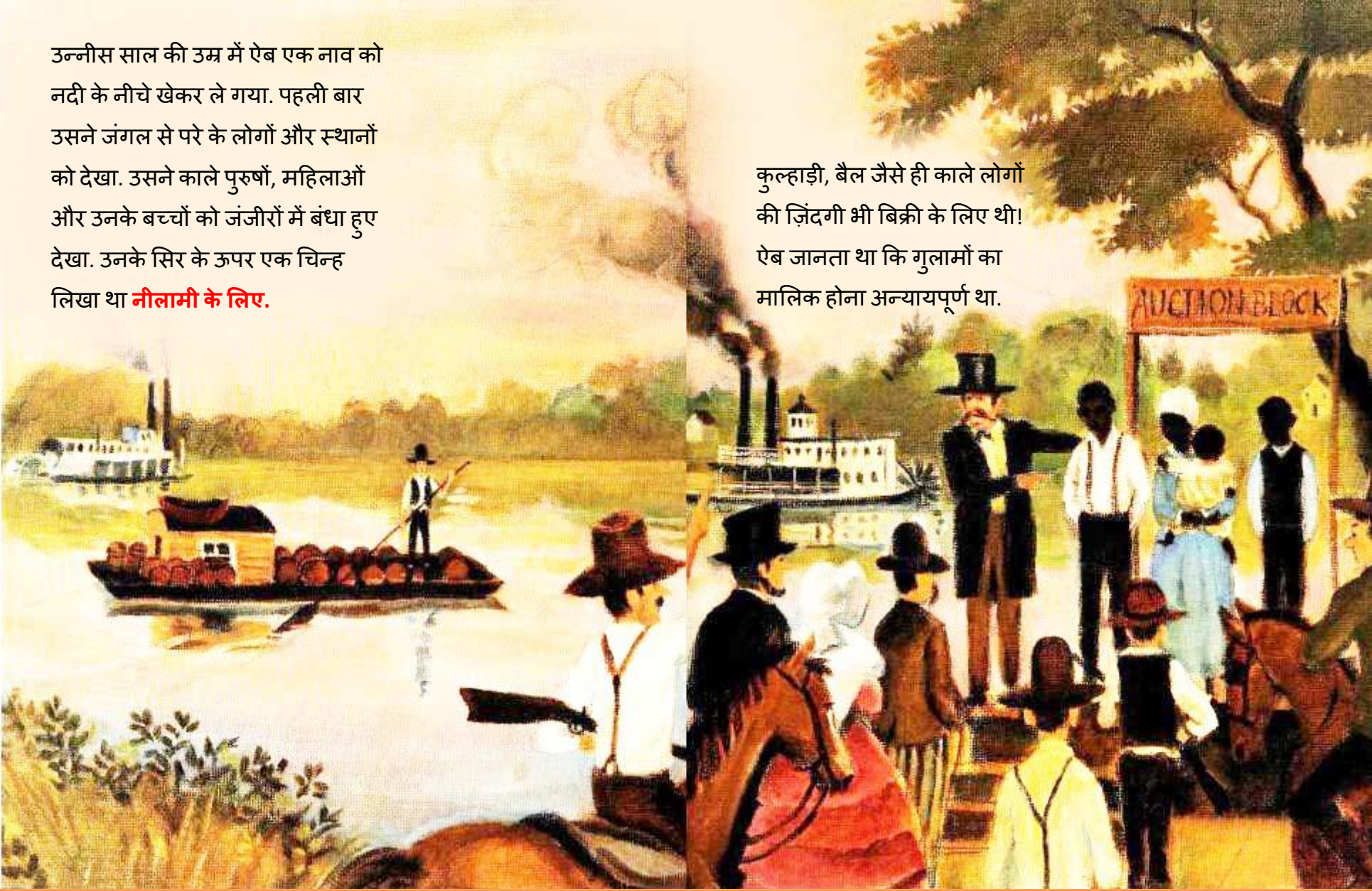
ऐब, न्यू सलेम, इलिनोइस में जाकर बसा.

उस स्थान पर सौ या उससे कुछ अधिक लोग रहते थे.

ऐब को जनरल स्टोर चलाने के काम पर रखा गया.

लोगों को उसके बारे में एक कहानी बताना पसंद थी.

ऐब ने एक बार गलती से किसी से छह सेंट अधिक ले लिए.

फिर "ईमानदार ऐब" उन्हें वापस करने के लिए

मीलों पैदल चलकर गया.
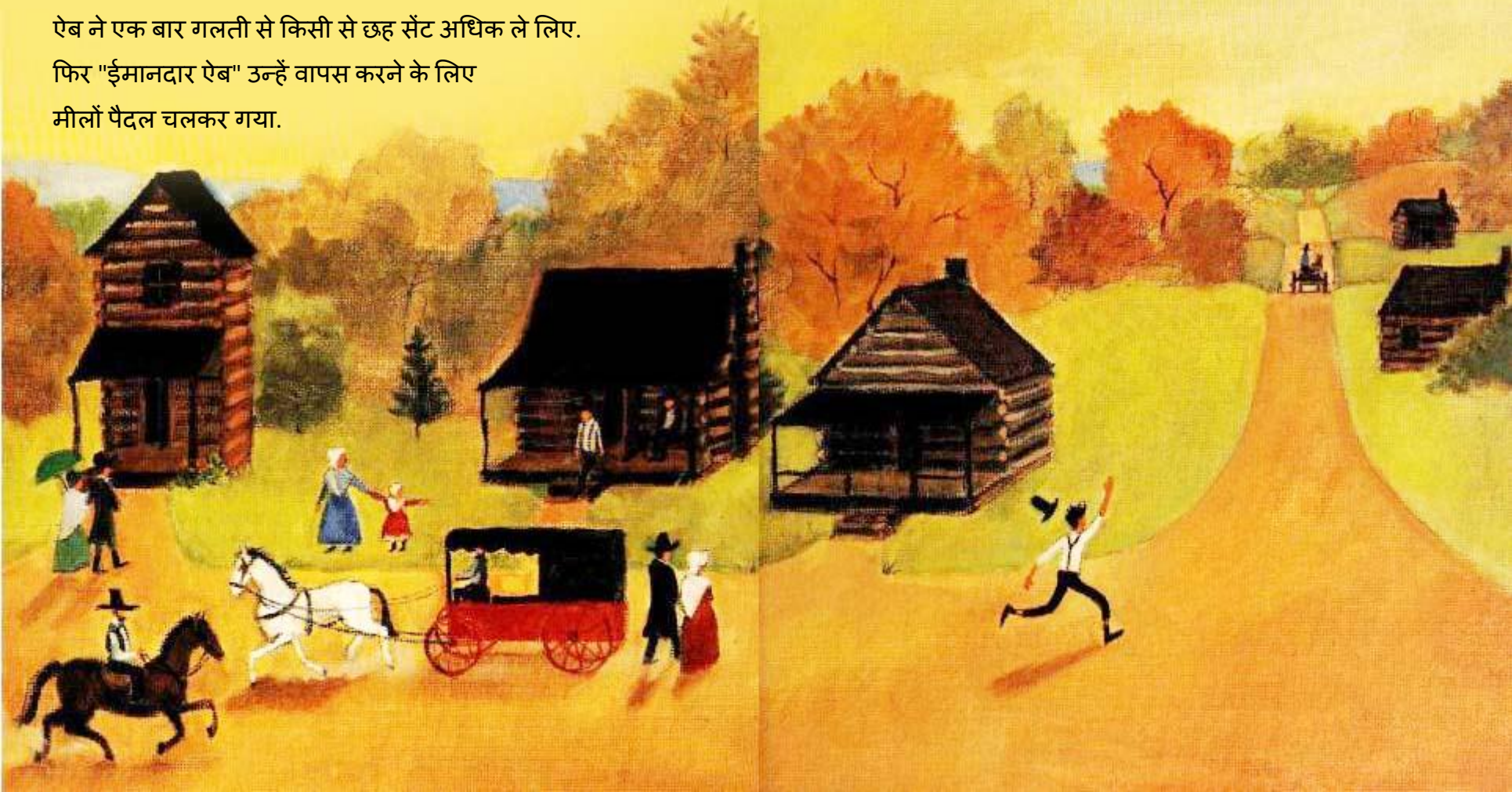
अक्सर ऐब को अपनी काबलियत दिमाग से नहीं,
बल्कि शारीरिक शक्ति से साबित करनी होती थी.
ऐब के स्टोर के मालिक ने एक उपद्रवी गिरोह के नेता के
खिलाफ कुश्ती का मैच रखा. अनिच्छा से, ऐब उस उपद्रवी
जैक आर्मस्ट्रांग से लड़ने को तैयार हुआ. कुछ लोगों के
अनुसार ऐब ने जैक को जल्द ही फर्श पर पटक दिया. कुछ
अन्य के अनुसार आर्मस्ट्रांग ने ऐब को एक चाल चलकर
हराया.

लेकिन जब जैक ने ऐब की ताकत को देखा तो उसने उससे हाथ
मिलाया. और आने वाले वर्षों में वे दोनों घनिष्ठ मित्र बने.

आग की रोशनी में ऐब ने बिना किसी
शिक्षक की मदद के कानून की पढ़ाई की.
जल्द ही वो अदालत में वकील बना.
ऐब ने देखा कि उसके शब्द किसी आदमी
को मुक्त करवा सकते थे
या उसे जेल में डाल सकते थे.
उसने देखा कि शब्द, लोगों के
सोचने का तरीका बदल सकते थे.
जब ऐब ने राजनीति में कदम रखा तो
उसने अपने शब्दों से उन ग़लतियों पर
प्रहार किया जिन्हें वो सुधारना चाहता था.
दोस्तों ने कहा कि उसे किसी सार्वजनिक
पद के लिए चुनाव लड़ना चाहिए.
ऐब ने पहले कांग्रेस और
फिर सीनेट के लिए
प्रयास किया.
अंत में उसने देश
के सर्वोच्च पद
के लिए चुनाव
लड़ा.
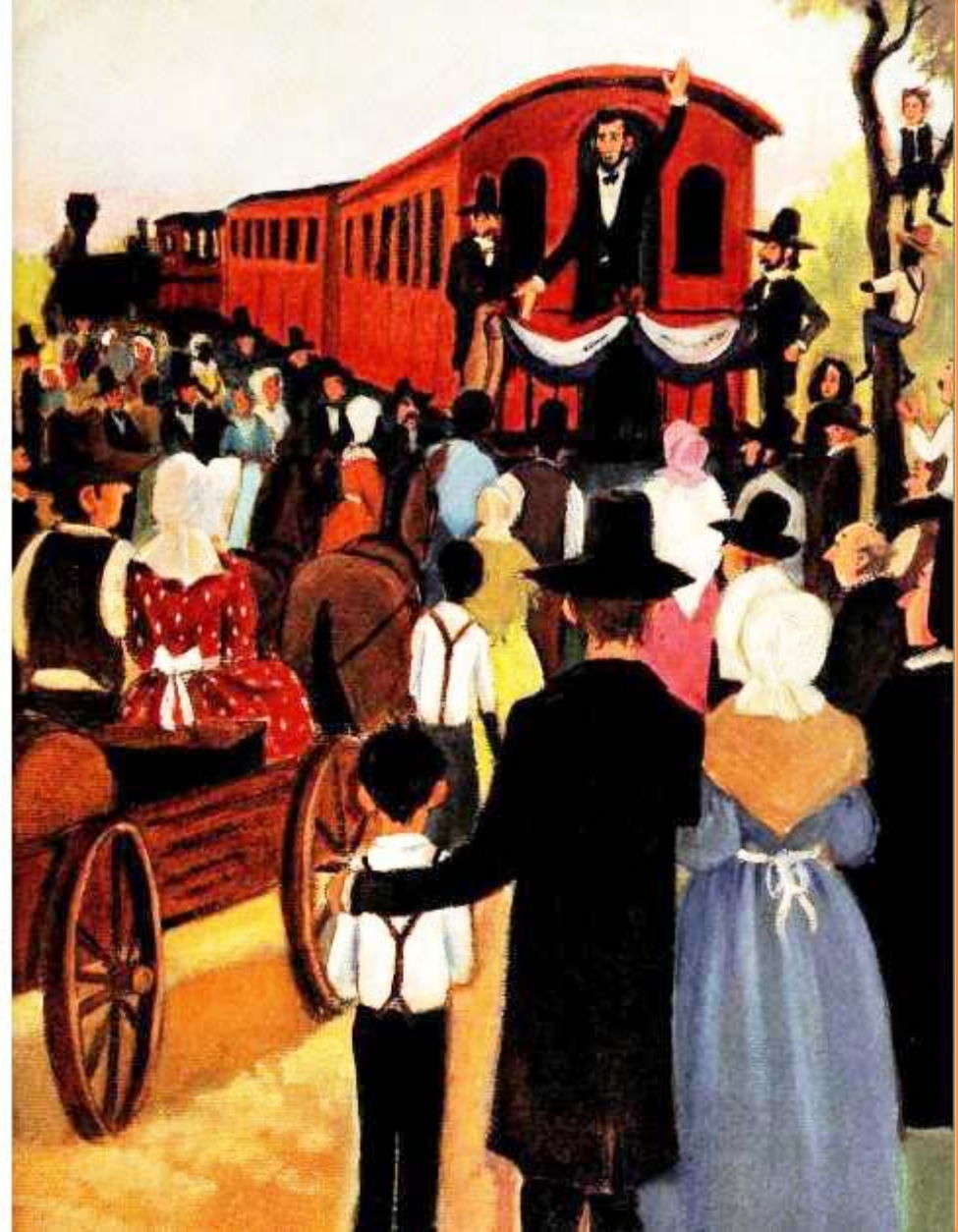
अब्राहम लिंकन -

एक लॉग केबिन में पैदा हुए.

वो एक पायनियर थे,

उन्हें किताबें पसंद थीं.

वो अमरीका के सोलहवें राष्ट्रपति चुने गए!

वो बियाबान जंगल से

व्हाइट-हाउस तक पहुंचे

उन्होंने शब्दों की शक्ति को पहचाना

और उनका बखूबी इस्तेमाल किया.

यह कहानी उस लड़के की है

जिसे पढ़ना पसंद था.

उस लड़के ने दुनिया को

हमेशा के लिए बदल दिया!

अंत